

an>

Title: Need to curb increasing pollution level in the country particularly in Gujarat.

श्री नाराणभाई काछड़िया (अमरेली)○: वायु प्रदूषण से मानव-स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों में जैविक, रसायन और शारीरिक परिवर्तन से लेकर श्वास तथा हृदय की परेशानी हो सकती है। गुजरात में भी वायु प्रदूषण को लेकर स्थिति धीरे-धीरे गंभीर होती जा रही है। वर्ष 2015-2016 के दौरान गुजरात पोल्युशन कंट्रोल बोर्ड द्वारा तैयार की गई वार्षिक रिपोर्ट जो कि हवा के नमूनों को विभिन्न स्थानों से इकट्ठा करके बनाई गई है, के अंतर्गत औद्योगिक स्थानों में वायु प्रदूषण (पीएम-10) के दौरान गुजराज का स्तर 100 माइक्रोग्राम/वर्षूविक मीटर से अधिक मापा गया है। यही आंकड़ा रेजीडेंशियल स्थानों एवं कामर्शियल स्थानों का भी रहा है। स्टेट एयर मॉनीटरिंग प्रोग्राम के अंतर्गत 24 स्थानों में हवा के नमूनों को इकट्ठा तैयार किए गए आंकड़ों में 22 स्थानों का वायु प्रदूषण का स्तर अधिक रहा है और यह स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है, जो कि अपने आप में एक गंभीर चेतावनी है। अतः मैं सरकार से अनुरोध करता हूँ कि गुजरात तथा पूरे देश भर में प्रदूषण से निपटने के लिए व्यापक प्रबंध सरकार द्वारा शीघ्र किए जाने चाहिये।